रणजीत टाइम्स
वर्ष : 1, अंक: 133 इंदौर, शुक्रवार 23 मई 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
DIGITAL EDITION

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित आपत्तिजनक पोस्ट के सिलसिले में प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने महमूदाबाद को कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि आपको सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर अली खान के सोशल मीडिया पोस्ट पर शब्दों के चयन पर सवाल उठाए और कहा कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल दूसरों को अपमानित करने और उन्हें असहज करने के लिए किया गया। हालांकि सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन अभी ऐसी टिप्पणी क्यों की गई?

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के डीजीपी को निर्देश दिया कि वे प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ मामले की जांच के लिए आईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन करें। साथ ही अदालत ने महमूदाबाद को भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर कोई और ऑनलाइन पोस्ट लिखने से मना किया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तारी होने के बाद सोनीपत स्थित अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद राहत के लिए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अली खान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। उनकी ओर से मामले पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई गई थी जिस पर कोर्ट ने केस सुनवाई के लिए जल्द ही सूचीबद्ध करने का भरोसा दिलाया था। अली खान ने अपनी गिरफ्तारी को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सोमवार को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और आगस्टिन जार्ज मसीह की पीठ के समक्ष याचिका का जिक्र किया। सिब्बल ने कहा था कि उन्हें देशभक्ति वाले बयान के लिए गिरफ्तार किया गया है।

बता दें कि इससे पहले, मंगलवार को प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की दो दिन की रिमांड खत्म होने पर ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आजाद सिंह की कोर्ट ने सात दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी बड़ा मुद्दा बन चुकी है। सोशल मीडिया पर उन्हें समर्थन मिल रहा है। 1,100 से अधिक लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर उनकी रिहाई की मांग की है। यही याचिका सुप्रीम कोर्ट में डाली गई है। उधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर से भाजपा के पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने भी प्रोफेसर की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया था।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने नई दिल्ली में कहा था कि मैं अपने देश की किसी बेटी को झुकने नहीं दूंगी। अपने पद पर रहते हुए न कल झुकने दिया, न आज झुकने दूंगी और न ही आगे नहीं झुकने दूंगी। प्रोफेसर अली खान का नाम लेकर कहा था कि जो भी व्यक्ति इस तरह से देश की बेटियों के नाम पर गद्दारी करेगा, उनके खिलाफ मेरा काम चलता रहेगा।

नोएडा में 4 लाख से अधिक उपभोक्ताओं की जेब पर बढ़ेगा बोझ,कितनी होगी बढ़ोतरी?

नोएडा, एजेंसी। नोएडा जिले में करीब चार लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार बढ़ने वाला है। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के हालिया फैसलों ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है।

अप्रैल 2025 में बिजली बिलों में 1.24 प्रतिशत ईंधन और ऊर्जा खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) जोड़ा गया था, जिसके बाद अब बिजली दरों में और वृद्धि की तैयारी हो रही है। इससे घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने जनवरी 2025 में बहुवर्षीय टैरिफ नियमन के तहत ईंधन अधिभार लगाने की मंजूरी दी थी। इसके तहत अप्रैल में सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के बिलों पर 1.24 प्रतिशत अधिभार जोड़ा गया। उदाहरण के लिए, 1000 रुपये के बिल पर उपभोक्ताओं को 12.40 रुपये अतिरिक्त चुकाने पड़े। अब विभाग एक बार फिर दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव ला रही हैं।

वहीं, जून 2025 में होने वाली जनसुनवाई में इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी, जिसका उपभोक्ता परिषद पुरजोर विरोध करने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने कहा कि यह बढ़ोतरी उपभोक्ताओं के लिए अन्यायपूर्ण है। बिजली कंपनियों ने पहले ही अनुचित तरीके से अतिरिक्त वसूली की है। ग्रेटर नोएडा में 2021-22 तक 1176 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली का मामला सामने आ चुका है।

उन्होंने मांग की कि जब तक कंपनियों का बकाया उपभोक्ताओं को वापस नहीं मिलता, तब तक कोई नई वृद्धि लागू नहीं होनी चाहिए। अधीक्षण अभियंता विवेक पटेल ने इस पर किसी तरह की टिप्पणी करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से जो आदेश होगा उसका पालन किया जाएगा।

कुल्हाड़ी से गले पर किए ताबड़तोड़ वार, युवक की हत्या से इलाके में फैली सनसनी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के खांडसा मंडी में आढ़त पर मुंशी का काम करने वाले 42 वर्षीय युवक की सोमवार रात ओल्ड रेलवे रोड पर आरडीएस वाइन शाप के पास गले पर कुल्हाड़ी से वारकर हत्या कर दी गई।

पुलिस ने मंगलवार को शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया। युवक के भाई की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित से प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि शराब के नशे में झगड़े के कारण उसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

मृतक युवक की पहचान सुभाष नगर के सतीश उर्फ छंगा के रूप में की गई। उनके भाई मनोज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह चार भाई और एक बहन हैं। वह सबसे छोटे हैं। उनसे बड़े भाई सतीश खांडसा मंडी में एक आढ़ती के यहां मुंशी का कार्य करते थे। वह नियमित सुबह पांच बजे जाते थे और दोपहर दो बजे मंडी से वापस घर आ जाते थे।

सोमवार को भी दोपहर दो बजे आने के बाद शाम चार बजे वह घर से अपनी कार लेकर निकले थे। किंतु देर रात वापस नहीं लौटे। रात 12 बजे उन्हें किसी ने सूचना दी कि उनके भाई सतीश पर ओल्ड रेलवे रोड पर वाइन शाप के पास अनजान व्यक्ति ने गले पर धारदार हथियार से हमला किया है। आसपास के लोग घायल को खांडसा रोड स्थित लावण्या अस्पताल ले गए। परिवार के लोगों के पहुंचने से

पहले ही डाक्टरों ने सतीश को मृत घोषित कर दिया।

गुरुग्राम शहर थाना पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मौके पर सीन आफ क्राइम, थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और एफएसएल की टीमों ने साक्ष्य जुटाए। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई और सतीश के मोबाइल की जांच की गई। जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंगलवार शाम आरोपित को धर दबोचा गया। उसकी पहचान सुभाष नगर के रहने वाले 34 वर्षीय धर्मेंद्र के रूप में की गई। वहीं, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि धर्मेंद्र और सतीश की जान-पहचान थी। दोनों का कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। हालांकि बाद में फिर से बोलचाल हो गई थी। सोमवार रात सतीश आरोपित के बुलाने पर वाइन शाप के पास पहुंचे थे। यहां दोनों ने शराब पी। इसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई।

बताया गया कि झगड़े के दौरान ही आरोपित ने कुल्हाड़ी से सतीश की गर्दन पर वार कर दिया और मौके से फरार हो गया था। शहर थाना प्रभारी ने कहा कि आगामी पूछताछ के लिए आरोपित को बुधवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा जिला खरगोन का किया गया वार्षिक निरीक्षण

दैनिक रणजीत टाइम्स

कंट्रोल रूम खरगोन मे ली एसडीओपी/ थाना प्रभारी की अपराधों की समीक्षा बैठक जिसके पश्चयात पुलिस अधीक्षक कार्यालय का भी किया निरीक्षण बैठक मे पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना ने जिला खरगोन मे घटित होने वाले अपराधों की दी जानकारी पुराने लंबित गंभीर अपराधों में अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय प्रस्तुत करने, फरार अपराधियों की धरपकड़ के टारगेट दिए एवं न्यायालय के सम्मन वारंट तामील कराए जाने, प्रकरणों की रेगुलर मॉनिटरिंग करने और अपराधियों को सज़ा दिलाए जानें हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने हेतु किया मार्गदर्शन महिलाओं, बालिकाओं के विरुद्ध, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध अपराधों को नियंत्रण करने, त्वरित विवेचना करने और राहत प्रकरण तैयार करने हेतु विवेचको को किए प्रेरित सड़क दुर्घटना में कमी लाने हेतु खरगोन पुलिस के प्रयासों की सराहना की और आने वाले समय में इसमें और कमी लाने हेतु प्रोत्साहन किया।

शराब माफिया का आतंक- अवैध धंधे का विरोध करना पड़ा भारी

20 बदमाशों ने शराब ठेकेदार के ऑफिस में घुसकर किया हमला, कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा और 5 लाख की लूट

जबलपुर। जिले में एक बार फिर कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए असामाजिक तत्वों ने खुलेआम गुंडागर्दी और हिंसा का तांडव मचाया। यह घटना उस समय घटित हुई जब एक शराब ठेकेदार ने इलाके में चल रही अवैध शराब बिक्री का विरोध किया। इस साहसी कदम का परिणाम इतना भयावह निकला कि खुद उस ठेकेदार को अपने कार्यालय में अपने कर्मचारियों समेत जान बचाकर भागना पड़ा। बदला लेने की नीयत से आए करीब 20 बदमाशों ने उसके ऑफिस में घुसकर न केवल बर्बरतापूर्वक हमला किया, बल्कि जमकर तोड़फोड़ और लूटपाट भी की। यह शर्मनाक वारदात बरेला थाना क्षेत्र के क़रीबाग इलाके में मंगलवार को घटी, जिसने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया। घटना की शुरुआत उस समय हुई जब ठेकेदार ने नर्मदा ढाबे के सामने चल रहे अवैध शराब व्यापार का विरोध किया। ठेकेदार के अनुसार, उसने

हाल ही में वहां से 50-60 क्वार्टर अवैध शराब पकड़ी थी, और अधिक शराब छिपा दी गई थी। इसी कार्रवाई से बौखलाए शराब माफिया ने योजनाबद्ध तरीके से उसके दफ्तर पर हमला बोल दिया। बताया गया कि यह कोई साधारण झगड़ा नहीं था, बल्कि पूरी तरह से संगठित और हिंसक हमला था, जिसमें लाठी, डंडे, रॉड और यहां तक कि कुल्हाड़ी तक का इस्तेमाल किया गया। आरोपियों ने शराब ठेकेदार के मैनेजर, बावर्ची और अन्य कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, गाड़ियों को क्षतिग्रस्त किया और ऑफिस का गेट कुल्हाड़ी से तोड़कर करीब 5 लाख रुपये भी लूट लिए। इस बीच सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पुलिस को सूचना दिए जाने के बावजूद वह घटनास्थल पर काफी देर से पहुंची, जिससे हमलावर बेखौफ होकर अपना काम कर के फरार हो गए। पीड़ित पक्ष ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया है कि हमला सिर्फ व्यक्तिगत रंजिश नहीं, बल्कि संगठित अपराध और राजनीतिक संरक्षण का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि हमलावरों में स्थानीय असामाजिक तत्वों के साथ कुछ राजनीतिक प्रभावशाली चेहरे भी शामिल थे, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। यह घटना यह भी दर्शाती है कि जब कोई व्यक्ति गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे कानून का सहारा नहीं, बल्कि अपराधियों की हिंसा का सामना करना पड़ता है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और स्क्सूर्यकांत शर्मा ने जानकारी दी कि इस हमले में शामिल सभी बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ितों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आईपीसी की गंभीर धाराएं भी जोड़ी गई हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि आरोपियों ने अपने चेहरे ढक रखे थे, जिससे पहचान में थोड़ी परेशानी हो रही है, लेकिन तकनीकी और स्थानीय स्तर पर जांच कर जल्द ही सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना ने जहां एक ओर अपराधियों के बुलंद हौसलों को उजागर किया है, वहीं दूसरी ओर पुलिस की लचर प्रतिक्रिया और देर से कार्रवाई ने आमजन में आक्रोश और असुरक्षा की भावना को जन्म दिया है। आज जब कोई व्यापारी या सामान्य नागरिक अवैध गतिविधियों के खिलाफ खड़ा होता है, तो उसे सुरक्षा नहीं बल्कि हमलों का सामना करना पड़ता है। यह न केवल कानून व्यवस्था की नाकामी है, बल्कि सामाजिक ढांचे की विफलता भी है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर एमपी कांग्रेस ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि,

कहा - उन्होंने रखी आधुनिक भारत की नींव, बीजेपी पर भी किए तीखे सवाल

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कल बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को याद किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव रखी और देश को 21वीं सदी की दिशा में आगे बढ़ाया। श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत भजन कार्यक्रम से हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनकी दूरदृष्टि व तकनीकी क्रांति की पहल को याद किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अपने संबोधन में कहा कि राजीव गांधी ने कंप्यूटर, टेली कम्युनिकेशन और सूचना प्रौद्योगिकी की आधारशिला रखी। आज जो डिजिटल

भारत हम देख रहे हैं, उसकी नींव उन्हीं के हाथों रखी गई थी। उन्होंने पंचायती राज के ज़रिए लोकतंत्र को गांव-गांव तक पहुंचाया। हमें उनकी नीतियों और विचारों को आत्मसात करते हुए देश के लोकतांत्रिक ढांचे और सामाजिक न्याय की रक्षा करनी होगी। इस श्रद्धांजलि सभा के बहाने सिंघार ने केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित भोपाल दौरे को लेकर सवाल खड़े किए और कहा, पीएम मोदी जब भोपाल आ रहे हैं, तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उज्ज्वला योजना के सिलेंडर आज क्यों गरीबों के घरों की टाट पर पड़े हैं? लाडली बहना योजना के पोस्टरों में वादा किया गया था कि महिलाओं को 3000 रुपये मिलेंगे, लेकिन आज तक वह राशि नहीं आई। क्या ये सब वादाखिलाफी नहीं है? उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनावी घोषणाएं करने और जनता को भ्रमित करने का काम करती है। लेकिन अब जनता समझ चुकी है कि असली विकास और आधुनिक भारत की संकल्पना किसने रखी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की विचारधारा सेवा और समर्पण की है, और वह आगे भी लोगों की आवाज़ बनकर खड़ी रहेगी। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने भी अपने संक्षिप्त संबोधन में राजीव गांधी को भारतीय राजनीति का एक युगद्रष्टा बताया। उन्होंने कहा कि देश की संचार क्रांति, आईटी सेक्टर का विकास, युवा नीति और पंचायती राज जैसे ऐतिहासिक निर्णय राजीव गांधी की ही देन हैं। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर सभी उपस्थित जनों ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री को नमन किया और उनकी पुण्यतिथि को राष्ट्रीय एकता, तकनीकी प्रगति और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण के रूप में मनाया।

वुशु एसोसिएशन में कमेटी विवाद पर हाईकोर्ट सख्त

एमपी सरकार की नियुक्त समिति को भंग करने पर वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया से मांगा जवाब

मध्य प्रदेश। वुशु खेल के संचालन को लेकर उठे प्रशासनिक विवाद ने अब न्यायिक मोड़ ले लिया है। जबलपुर हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्ती दिखाते हुए वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सहित अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामला इस खेल के संचालन और उसके लिए गठित समितियों को लेकर उपजे विवाद से जुड़ा है, जिसने प्रदेश के खेल तंत्र में गहरी खींचतान को उजागर कर दिया है।

दरअसल, वुशु खेल के संचालन के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने एक वैधानिक प्रक्रिया के तहत वुशु एसोसिएशन की नई समिति गठित की थी। इसके लिए गोरखपुर के एसडीएम को प्रशासक नियुक्त किया गया था, जिन्होंने जनवरी 2025 में चुनाव कराकर कानूनी रूप से समिति का गठन किया। यह पूरी प्रक्रिया राज्य सरकार के निर्देशन और न्यायिक आदेशों के अनुरूप हुई थी। लेकिन इसी के समानांतर, वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने एक अलग रास्ता अपनाते हुए 20 दिसंबर 2024 को खुद की ओर से एक तीसरी समिति का गठन कर दिया और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रशासक की समिति को खारिज कर दिया। इस कदम ने प्रदेश स्तर पर खेल प्रशासन में दोहरी सत्ता की स्थिति पैदा कर दी। इस निर्णय को राज्य सरकार की ओर से नियुक्त वैधानिक समिति ने जबलपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका वुशु एसोसिएशन और मध्य प्रदेश के सचिव मनोज गुप्ता की ओर से दायर की गई है, जिसमें अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने कोर्ट में पक्ष रखा। याचिका में यह सवाल उठाया गया है कि जब राज्य स्तर पर वैधानिक समिति का गठन प्रशासक के माध्यम से उचित चुनाव प्रक्रिया से किया गया था, तो वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने उसमें हस्तक्षेप क्यों किया? याचिका में यह भी पूछा गया है कि अगर प्रशासक की नियुक्ति पहले ही हो चुकी थी, तो फिर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपनी तीसरी समिति का गठन क्यों किया, और वह किस अधिकार से राज्य सरकार की मान्यता प्राप्त समिति को भंग कर सकती है? इस याचिका में वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया और मध्य प्रदेश खेल विभाग के डायरेक्टर को प्रतिवादी बनाया गया है। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के आदेश दिए हैं। इस आदेश से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि अब यह मामला केवल प्रशासनिक स्तर पर न रहकर पूरी तरह से कानूनी जांच के दायरे में आ गया है। इस प्रकरण ने प्रदेश में खेल संगठन और राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र को लेकर एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है।

लोकायुक्त की सर्जिकल स्ट्राइक- बीच सड़क रिश्वत लेते पकड़ा गया कृषि विभाग का कंप्यूटर ऑपरेटर, सब्सिडी दिलाने के नाम पर मांगे थे 15 हजार रुपये

अशोकनगर। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार किस कदर संस्थानों की जड़ों में समा चुका है, इसका एक और शर्मनाक उदाहरण अशोकनगर जिले से सामने आया है। यहां कृषि अभियांत्रिकी विभाग में पदस्थ एक कंप्यूटर ऑपरेटर को लोकायुक्त की टीम ने खुलेआम घूस लेते रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई न केवल विभागीय सड़ांध को उजागर करती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि सिस्टम में बैठे कुछ कर्मचारी किसानों जैसी जरूरतमंद जनता को भी नहीं बख्श रहे। पूरा मामला उस समय सामने आया जब अशोकनगर निवासी कुमार आर्य ने ग्वालियर लोकायुक्त टीम के पास कंप्लेंट दर्ज कराई कि विभाग में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर शैलेंद्र सिंह हेमंत ने उससे कृषि यंत्रों की 7.5 लाख की सब्सिडी पास कराने के एवज में ?15,000 की रिश्वत की मांग की है। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि आरोपी ने पहले ही उससे 5,000 नकद वसूल लिए हैं और बाकी के 10,000 की मांग अभी बाकी है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए लोकायुक्त की टीम ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई और ट्रैप की पूरी रणनीति तैयार की। जैसे ही तय तारीख बुधवार को आरोपी ने फरियादी को गांधी पार्क के पास बुलाया और रिश्वत की शेष राशि 10,000 ली, वैसे ही घात लगाए बैठी टीम ने सार्वजनिक स्थान पर आरोपी को दबोच लिया। आरोपी उस वक्त सन्न रह गया जब उसने खुद को लोकायुक्त के अधिकारियों से घिरा पाया। जैसे ही पैसे उसके हाथ में थे, वैसे ही उसे रंगेहाथ पकड़ लिया गया। इस पूरी कार्रवाई में विशेष रूप से सतर्कता बरती गई, ताकि किसी भी प्रकार की लीपापोती या बहानेबाज़ी की गुंजाइश न बचे। लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। साथ ही अब यह भी जांच की जा रही है कि क्या विभाग में और कोई अधिकारी या कर्मचारी भी इस भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा है या नहीं। क्योंकि जिस तरह से एक सामान्य कंप्यूटर ऑपरेटर सीधे सब्सिडी पास कराने की क्षमता और उस पर डील करने की हिम्मत रखता है, यह इस बात की तरफ इशारा करता है कि उसके पीछे और भी लोग शामिल हो सकते हैं। यह घटना एक बार फिर इस बात को स्पष्ट करती है कि राज्य में किसानों के नाम पर चलाई जा रही योजनाएं कितनी असल में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी हैं।

वन विभाग की कार्रवाई के दौरान मां-बेटे ने खाया ज़हर, रिश्वत मांगने और ज़मीन पर कब्ज़ा हटाने का लगाया गंभीर आरोप, अस्पताल में भर्ती

भोपाल। राजधानी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने न सिर्फ प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि आम नागरिकों की पीड़ा और सिस्टम से उपजी हताशा को भी उजागर कर दिया है। नजीराबाद थाना क्षेत्र के भमोरा गांव में सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब वन विभाग की टीम की मौजूदगी में एक मां और उसका बेटा ज़हर पीकर आत्महत्या का प्रयास करने लगे। यह सनसनीखेज़ कदम उन्होंने कथित रूप से वन विभाग की ज्यादती और रिश्वतखोरी के विरोध में उठाया, जिसका वीडियो और बयान सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में तेजी से वायरल हो गया है। जानकारी के मुताबिक, यह मामला बैरसिया क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भमोरा गांव का है, जहां की जमीन को लेकर वन विभाग और एक स्थानीय परिवार के बीच विवाद चल रहा है। जमीन जिस पर विवाद है, वह कथित रूप से न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन पीड़ित पक्ष का आरोप है कि वन विभाग ने इस तथ्य को नज़रअंदाज़ करते हुए वहां जेसीबी से खुदाई शुरू कर दी। जब मां सरजु बाई और बेटा ज्ञान सिंह ने इसका विरोध किया, तो उनके मुताबिक विभाग के कुछ अधिकारियों ने न सिर्फ धमकाया, बल्कि रुपये भी मांगे। परिजनों का यह भी दावा है कि डिप्टी रेंजर ने रिश्वत की मांग की थी, और जब उन्हें रुपये नहीं दिए गए, तो उन्होंने ज़मीन से जबरन कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी।

इस दौरान मां-बेटे ने विरोध स्वरूप वन विभाग की टीम के सामने ही कीटनाशक पी लिया, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। तुरंत उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दोनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। उधर, वन विभाग के वनरक्षक रामबाबू सोनी की शिकायत पर पुलिस ने पीड़ित पक्ष के खिलाफ ही कार्रवाई करते हुए सरजु बाई, ज्ञान सिंह और कंचन सिंह के खिलाफ शासकीय जमीन पर कब्जा करने, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने और गाली-गलौज करने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। इस एफआईआर के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है और प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल और गहरे हो गए हैं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों और ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला केवल जमीन विवाद का नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और ताकत के दुरुपयोग का प्रतीक बन गया है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शुक्रवार 23 मई 2025
03
DIGITAL EDITION

भारतीय सेना जाति,धर्म,भाषा,क्षेत्र से परे समूचे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करती हैः पूर्व एयर मार्शल शशिकर चौधरी

दैनिक रणजीत टाइम्स

आशीष शर्मा

सनावद- भारतीय सेना एक जीवन शैली है। जिसमें अनुशासन,पराक्रम,आत्मसम्मान और राष्ट्रप्रेम शामिल है। भारतीय सेना धर्म, जाति,भाषा और क्षेत्रवाद से परे संपूर्ण राष्ट्र का प्रतिधिनिधित्व करती है। ये विचार भारतीय वायु सेना से हाल ही में सेवानिवृत्त एयर मार्शल शशिकर चौधरी ने यहां पत्रकार वार्ता में व्यक्त किए। गुरुवार को दिगंबर जैन समाज और पूर्व सैनिकों ने सनावद नगरागमन पर चौधरी का भावभीना अभिनंदन किया। पूर्व एयर मार्शल चौधरी की प्रारंभिक शिक्षा खंडवा में हुई। तत्पश्चात एसजीएसआईटीएस इंदौर से बीई और कानपुर से आईआईटी की उपाधि प्राप्त की। चौधरी ने बताया कि बदलते समय के साथ भारतीय सेना में टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ गया है। लेकिन भारतीय सेना का मूलभूत आधार शौर्य,बलिदान और आत्मसम्मान है। पहले की तुलना में आज का भारतीय सैनिक डिजिटल इनेबल सोल्जर है। भारत की नीति रही है कि भारत किसी भी दूसरे राष्ट्र पर पहले हमला नहीं करेगा।लेकिन जब कोई हमें उकसाएगा या हमारी संप्रभुता,अखंडता पर आक्रमण करेगा तो भारत की सेना उसका मुंहतोड़ जवाब देगी। चौधरी ने कहा कि गत सात मई को भी जब भारत की संप्रभुता और अखंडता पर आतंकवादियों ने हमला किया तब भारत की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया। चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 110 प्रतिशत सफल रहा है। जिसमें भारत ने यह संदेश दिया है कि जरूरत पड़ने पर भारत की घर दुश्मन के घर में घुसकर करारा जवाब देगी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पार नहीं करते हुए रॉकेट और मिसाइलों के सटीक निशाने से दुश्मन के आतंक के ठिकानों को बर्बाद किया और कई आतंकवादी मार गिराए।भारत और चीन के बीच संभावित युद्ध के बारे में पूछे गए प्रश्न के जवाब में चौधरी ने कहा कि ना तो भारत और ना ही चीन युद्ध के लिए तैयार है। क्योंकि दोनों देश आर्थिक रूप से समृद्ध होना चाहते हैं। युद्ध के दौरान देश का औद्योगिक उत्पादन ठप हो जाता है। जान-माल का नुकसान होता है और देश की अधोसंरचना को भारी हानि पहुंचती है। चौधरी ने कहा कि डोकलाम में भारतीय सेना ने चीन की सेना से बराबरी के साथ मुकाबला किया और भारत की एक इंच जमीन भी नहीं जाने दी। चौधरी ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद युद्ध को रोकना अत्यंत कठिन होता है। यूक्रेन-रूस युद्ध इसका उदाहरण है।चौधरी ने सुझाव दिया कि स्कूलों में भारतीय सेना का पाठ शामिल किया जाना चाहिए।ताकि विद्यार्थी भारतीय सेना के बारे में जान सकें। इस दौरान समाजसेवी राजेंद्र जैन महावीर,संदीप चौधरी,हेमू जैन,रजनीश जैन,नवनीत जैन,पूर्व सैनिक सरोज इंगला आशीष सिंह खालसा,चिंताराम बिरला,धरमवीर बिरला,गोपाल दुबे,अजय जैन,हुकुमचंद कटारिया,देवेंद्र जैन काका,अनुपमा जैन,संतोष सेन आदि उपस्थिति थे।

भारतीय सेना जाति,धर्म,भाषा,क्षेत्र से परे समूचे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करती हैः पूर्व एयर मार्शल शशिकर चौधरी

दैनिक रणजीत टाइम्स

आशीष शर्मा

सनावद-भारतीय सेना एक जीवन शैली है। जिसमें अनुशासन,पराक्रम,आत्मसम्मान और राष्ट्रप्रेम शामिल है। भारतीय सेना धर्म, जाति,भाषा और क्षेत्रवाद से परे संपूर्ण राष्ट्र का प्रतिधिनिधित्व करती है। ये विचार भारतीय वायु सेना से हाल ही में सेवानिवृत्त एयर मार्शल शशिकर चौधरी ने यहां पत्रकार वार्ता में व्यक्त किए। गुरुवार को दिगंबर जैन समाज और पूर्व सैनिकों ने सनावद नगरागमन पर चौधरी का भावभीना अभिनंदन किया। पूर्व एयर मार्शल चौधरी की प्रारंभिक शिक्षा खंडवा में हुई। तत्पश्चात एसजीएसआईटीएस इंदौर से बीई और कानपुर से आईआईटी की उपाधि प्राप्त की। चौधरी ने बताया कि बदलते समय के साथ भारतीय सेना में टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ गया है। लेकिन भारतीय सेना का मूलभूत आधार शौर्य,बलिदान और आत्मसम्मान है। पहले की तुलना में आज का भारतीय सैनिक डिजिटल इनेबल सोल्जर है। भारत की नीति रही है कि भारत किसी भी दूसरे राष्ट्र पर पहले हमला नहीं करेगा।लेकिन जब कोई हमें उकसाएगा या हमारी संप्रभुता,अखंडता पर आक्रमण करेगा तो भारत की सेना उसका मुंहतोड़ जवाब देगी। चौधरी ने कहा कि गत सात मई को भी जब भारत की संप्रभुता और अखंडता पर आतंकवादियों ने हमला किया तब भारत की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया। चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 110 प्रतिशत सफल रहा है। जिसमें भारत ने यह संदेश दिया है कि जरूरत पड़ने पर भारत की घर दुश्मन के घर में घुसकर करारा जवाब देगी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पार नहीं करते हुए रॉकेट और मिसाइलों के सटीक निशाने से दुश्मन के आतंक के ठिकानों को बर्बाद किया और कई आतंकवादी मार गिराए।भारत और चीन के बीच संभावित युद्ध के बारे में पूछे गए प्रश्न के जवाब में चौधरी ने कहा कि ना तो भारत और ना ही चीन युद्ध के लिए तैयार है। क्योंकि दोनों देश आर्थिक रूप से समृद्ध होना चाहते हैं। युद्ध के दौरान देश का औद्योगिक उत्पादन ठप हो जाता है। जान-माल का नुकसान होता है और देश की अधोसंरचना को भारी हानि पहुंचती है। चौधरी ने कहा कि डोकलाम में भारतीय सेना ने चीन की सेना से बराबरी के साथ मुकाबला किया और भारत की एक इंच जमीन भी नहीं जाने दी। चौधरी ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद युद्ध को रोकना अत्यंत कठिन होता है। यूक्रेन-रूस युद्ध इसका उदाहरण है।चौधरी ने सुझाव दिया कि स्कूलों में भारतीय सेना का पाठ शामिल किया जाना चाहिए।ताकि विद्यार्थी भारतीय सेना के बारे में जान सकें। इस दौरान समाजसेवी राजेंद्र जैन महावीर,संदीप चौधरी,हेमू जैन,रजनीश जैन,नवनीत जैन,पूर्व सैनिक सरोज इंगला आशीष सिंह खालसा,चिंताराम बिरला,धरमवीर बिरला,गोपाल दुबे,अजय जैन,हुकुमचंद कटारिया,देवेंद्र जैन काका,अनुपमा जैन,संतोष सेन आदि।

भ्रष्टाचार को लेकर अभी और भी विकेट गिरेगें जिले में अब नाकेदार से मंडी सचिव बने विश्वनाथ की कुर्सी टूटी

दैनिक रणजीत टाइम्स

ऋषि गोस्वामी

विनोद विकट/ शिवपुरी। भ्रष्टाचार को लेकर जिले में आहाकार मचा हुआ है एक के बाद एक प्रशासन के अधिकारियो पर भ्रष्ट होने पर कार्यवाही की गाज गिर रही है। निलंबित हुए मंडी सचिव विश्वनाथ जाटव पर सरकारी ऐप में फर्जीवाडा करने के आरोप है। मंडी सचिव जाटव ने सरकारी ऐप में मंडी के अस्थाई कर्मचारियो को किसान बता दिया और जमकर फर्जीवाडा कर डाला। मंडी सूत्र बताते है कि सचिव जाटव ने मामला उजागर होने पर मंडी के अस्थाई कर्मचारियो को हटाने के निर्देश दिए जिनके नाम फर्जीवाडा में शामिल थे। सूत्र बताते है कि सचिव ने स्वंय को बचाने की बहुत कोशिश की लेकिन सरकारी ऐप में फर्जीवाडे में वह फस गए और जांच में दोषी पाय जाने पर उन पर निलंबन की कार्यवाही हो गई। मंडी में जमकर भ्रष्टाचार है और मंडी सचिव जाटव से पहले भी मंडी के आरआई अरविन्द्र दुबे को भी भ्रष्टाचार के चलते निलंबित किया था। अब देखना होगा कि मंडी के अन्य सरकारी अधिकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार से तौवा करते है या फिर मंडी में भ्रष्टाचार को और बडावा देते है। यहा बताना होगा कि अभी हाल ही में भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व एसडीएम उमेश कौरव को बदला गया है। उल्लेखनीय है कि इडिया आज तक पिछले लम्बे समय से सरकारी विभागो के भ्रष्टाचार को लेकर खबरे प्रकाशित कर रहा है जिसमे खनिज विभाग,पीडब्ल्यूडी विभाग, कृषि उपज मंडी, जिला कोषालय विभाग, पशुचिकित्सालय विभाग, उप पंजीयक कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग,पीएचई कार्यालय,कृषि विभाग, आबकारी विभाग ,महिला बाल विकास विभाग शिक्षा विभाग, ग्रामीण यंत्रिकी सेवा विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना, अजीविका मिशन, खाद्र विभाग, वन विभाग, माधव टाइगर रिर्जव, नगर पालिका आदि शामिल है। जिनमे से पीडब्ल्यूडी विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि उपज मंडी, राजस्व विभाग आदि विभाग के अधिकारी कर्मचारियो पर भ्रष्टाचार को लेकर गाज गिर चुकी है इसके साथ ही अभी हाल ही में शिवपुरी विधायक देवेन्द्र जैन ने प्रेस वार्ता में खनिज विभाग, राजस्व विभाग, पोषण आहार केन्द्र, खाद्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागो में जमकर भ्रष्टाचार होने के आरोप लगाए है। इतना ही नही विधायक जैन ने प्रेस वार्ता में कहा है कि हमारे सांसद सिंधिया शिवपुरी जिले को भ्रष्टाचार मुक्त देखना चाहते है ऐसे में विधायक जैंन और क्षेत्र के सांसद सिंधिया का जिले को भ्रष्टाचार मुक्त देखने का सपना पूरा होगा या नही यह तो आने वाला समय ही बताऐगा।

अमेरिका में इसराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या

दैनिक रणजीत टाइम्स

प्रवेश सिंह

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में एक यहूदी संग्रहालय के बाहर इसराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की एक शख़्स ने गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने बताया है कि हमलावर "आज़ाद, आज़ाद फ़लस्तीन" के नारे लगा रहा था वॉशिंगटन डीसी की पुलिस ने बताया यह युवा जोड़ा कैपिटल यहूदी संग्रहालय में हुए एक कार्यक्रम में शामिल होकर बाहर आया ही था कि तभी उसे गोली मार दी गई. उन्होंने बताया जिस तरह से घटना हुई है इससे ऐसा लगता है यह एक सुनियोजित हमला था। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी स्थानीय समय के अनुसार रात नौ बजकर पांच मिनट पर उस क्षेत्र में हुई, जहां एफ़बीआई के क्षेत्रीय कार्यालय सहित कई पर्यटक स्थल, संग्रहालय और सरकारी इमारतें हैं।

सगाई करने वाला था जोड़ा

मेट्रोपॉलिटन पुलिस की प्रमुख पामेला स्मिथ ने हिरासत में लिए गए संदिग्ध के बारे में बताया कि गोलीबारी करने के बाद वह संग्रहालय के अंदर गया और यहां उसे सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया स्मिथ ने बताया कि हिरासत में लिए गए शख़्स का नाम एलियास रोड्रिगेज़ है. गोलीबारी से पहले इसे संग्रहालय के बाहर घूमते हुए देखा गया था. 30वर्षीय रोड्रिगेज़ शिकागो का रहने वाला है और इसने चार लोगों पर गोली चलाई जिसमें से दो की मौत हो गई पुलिस ने बताया, "संदिग्ध को लेकर हमारे पास पहले कोई जानकारी नहीं थी जिसकी वजह से वह हमारी रडार में नहीं आ सका." इस घटना में मारे गए लोगों की तस्वीरें अमेरिका में इसराइली दूतावास ने सार्वजनिक कर दी हैं। सोशल मीडिया एक्स पर इसराइली दूतावास ने लिखा है, "यारोन और सारा हमारे दोस्त और सहकर्मी थे. आज शाम एक आतंकवादी ने डीसी में कैपिटल यहूदी संग्रहालय में एक कार्यक्रम से बाहर

मृतक जोड़ा

निकलते समय उन्हें गोलियों से मार डाला. उनकी हत्या से दूतावास के कर्मचारी दुखी और स्तब्ध हैं. हमारे पास शब्द नहीं हैं." अमेरिका में इसराइल के राजदूत याहिएल लाइटर ने बताया कि इस गोलीबारी में मारे गए पुरुष ने एक सप्ताह पहले ही एक अंगूठी खरीदी थी और वह यरूशलम की यात्रा पर सगाई करने वाला था गोलीबारी के प्रत्यक्षदर्शी केटी केलिशर ने बीबीसी को बताया, "हमने गोलियों की आवाज़ सुनी और फिर एक व्यक्ति आया जो काफी परेशान दिखाई दे रहा था. उसे देखकर हमें लगा कि उसे मदद की ज़रूरत है."।

नफ़रत और कट्टरपंथ की अमेरिका में कोई जगह नहीं: ट्रंप

कार्यक्रम के आयोजनकर्ताओं में शामिल अमेरिकी यहूदी कमेटी की बोर्ड सदस्य जोजो कॉलिन ने कहा कि उन्होंने गोलीबारी तो नहीं देखी लेकिन जो कुछ भी हुआ वह दुःखद है. उन्होंने कहा, "मेरी मानवता इससे नहीं जाएगी. इसराइली और फ़लस्तीनी अपने फ़ैसले के लिए स्वतंत्र हैं. यह विडंबना है कि हम इस पर बातचीत कर रहे हैं."

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ये हत्याएं यहूदी विरोधी भावना से भरी थीं. अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ट्रुथ सोशल पर उन्होंने लिखा,"डीसी में हुई ये हत्याएं बहुत ही भयावह और यहूदी-विरोधी भावना से भरी हैं. अब यह समाप्त होनी चाहिए. नफ़रत और कट्टरपंथ का अमेरिका में कोई स्थान नहीं है." अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने एक्स पर कहा, "हम इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों का पता लगाकर उन्हें सज़ा देंगे." इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने कहा है कि, 'इस घटना के बाद दुनियाभर में इसराइली दूतावासों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी.' संयुक्त राष्ट्र में इसराइल के राजदूत ने इस घटना को "यहूदी विरोधी आतंकवाद की घटना" कहा है. राजदूत डैनी डेनन ने एक्स पर लिखा है, "राजनयिकों और यहूदी समुदाय को नुक़सान पहुंचाकर हद पार कर दी गई है. हमें विश्वास है कि अमेरिकी अधिकारी इस घटना के ज़िम्मेदारों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई करेंगे."।

शहर की प्रमुख सड़कें बंद

इस घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शहर की कई प्रमुख सड़कों को बंद कर दिया है इसराइली दूतावास के प्रवक्ता ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दो कर्मचारियों को "बहुत नज़दीक" से गोली मारी गई जब वह संग्रहालय के कार्यक्रम में भाग ले रहे थे. प्रवक्ता ताल नैम कोहेन ने कहा, "अमेरिका के स्थानीय और केंद्रीय अधिकारियों पर पूरा भरोसा है कि वह हमलावरों को पकड़ लेंगे और पूरे अमेरिका में इसराइली प्रतिनिधियों और यहूदी समुदाय की सुरक्षा करेंगे." अमेरिकी मीडिया के मुताबिक़ इस गोलीबारी के समय इसराइली राजदूत संग्रहालय कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे. सीबीएस के अनुसार इस घटना के बाद जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। इस घटना के कारण क़रीब एक घंटे तक कमरे में बंद रहे एक छात्र ने बताया, "जब हम जाने लगे तो सीढ़ियों के नीचे खड़े पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने हमें जाने से रोक दिया. वो अभी भी यहीं हैं और कह रहे हैं कि अभी हम यहां से नहीं जा सकते हैं।

पहले से ही थी आशंका

कैपिटल यहूदी संग्रहालय की तरह ही अमेरिका में कई अन्य यहूदी संस्थान यहूदी विरोधी भावना और सुरक्षा समस्याओं से जूझ रहे हैं म्यूज़ियम के कार्यकारी निदेशक बीट्राइस गुरविट्ज़ ने इस हमले से पहले बुधवार को एनबीसी न्यूज़ से कहा था, "यहूदी संस्थाए शहर और देश में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं क्योंकि कुछ संस्थाओं में कुछ बहुत ही डरावनी घटनाएं हुई हैं और यहूदी विरोधी माहौल भी है. उन्होंने बताया कि एलजीबीटी समुदाय को लेकर यहां एक प्रदर्शनी लगाई गई है इसलिए संग्रहालय की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए लिए हाल ही में फंड मिले हैं गुरविट्ज़ ने कहा, "हमें पता है कि इसके साथ और भी ख़तरे हैं फिर भी हम यह चाहते हैं कि जो लोग इनकी कहानियों की ख़ोज में आएं, उन सभी के लिए यह स्थान सुलभ और सुरक्षित हो." इसराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने एक्स पर कहा, "आज सुबह जब इसराइल के लोग जगे तो उन्हें इस भयानक घटना की जानकारी मिली."

(बीबीसी के लिए कलेक्टिव न्यूज़रूम की ओर से प्रकाशित)

ग्राम मगरखेड़ी में माया कंपनी के पास इक्को कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

पंचायत सचिव हुआ गंभीर घायल घायल को पहुंचाया अस्पताल

शिवकुमार राठौड़ कसरावद

दैनिक रणजीत टाइम्स

कसरावद.खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र के मुंबई आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार हादसे हो रहे हैं।वही गुरुवार को भी एक ईको कार ने बाइक सवार व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे पर ग्राम मगरखेड़ी में बंद पड़ी माया कंपनी के पास गुरुवार शाम चार बजे के करीब मगरखेड़ी से निमरानी की और जा रहे बाइक सवार को इको कार ने जोरदार टक्कर

मार दी जिससे बाइक सवार राकेश पटेल गंभीर रूप से घायल हो गया।साथ ही इको वाहन भी कंपनी की बाउंड्री में जाकर घुस गया। वही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी एंबुलेश को सूचना देने पर भी एंबुलेश समय पर नही पहुंच पाई तो ग्रामीणों ने अपने निजी वाहन से घायल सचिव को धामनोद अस्पताल पहुंचाया।वही घायल व्यक्ति ग्राम पंचायत चिचली में सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

सहज योग

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शुक्रवार 23 मई 2025

जिला विधिक सहायता अधिकारी ने किया जिला जेल खरगोन का निरीक्षण

विधिक साक्षरता शिविर में बंदियों बताएं उनके अधिकार

दैनिक रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

खरगोन।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अखिलेश जोशी के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायालय मंडलेश्वर के जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चंद्रेश मंडलोई द्वारा जिला जेल खरगोन का जेल निरीक्षण किया गया।

साथ ही बंदियों के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मंडलोई ने जेल में निरूद्ध बंदियों को उनके अधिकारों से अवगत कराया। साथ ही निःशुल्क

विधिक सहायता अधिवक्ता योजना की जानकारी प्रदान कर बंदियों से उनके अधिवक्ता के संबंध में पूछा गया। निरीक्षण के दौरान जिला जेल के विभिन्न बैरक में निरुद्ध बंदीगण के रहन-सहन, खान-पान, साफ-सफाई, स्वास्थ्य संबधित आदि विषयों के बारे में जानकारी ली। बंदियों से उनके प्रकरण से संबंधित समस्याओं को जानकार उचित सलाह दी गई। महिला बैरक का निरीक्षण कर निरुद्ध महिला बंदियों को उन्हें मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला जेल अधीक्षक श्री विद्याभूषण प्रसाद, जेलर श्रीमती सुभद्रा ठाकुर, पेनल लायर श्री विनोद भालसे एवं कु.शायजा शेख, पैरालीगल वालेंटियर श्री नीलम ओमप्रकाश पगारे, श्री राजेश राठौर एवं जेल कर्मचारी उपस्थित रहे।

मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 रहेगी मतदाताओं की संख्या, ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में बनाए जाएंगे अतिरिक्त मतदान केंद्र

चुनावी प्रक्रिया सहित अन्य प्रक्रियाओं को सरल व सुलभ बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की 18 नई पहल

दीपक तोमर

दैनिक रणजीत टाइम्स

खरगोन।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल व सुविधा जनक बनाने के लिए 18 नई पहल शुरू की गई है। आयोग द्वारा मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1200 तक सीमित कर दी गई है। ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मतदाता सूची अद्यतनीकरण के लिए, मृत्यु पंजीकरण का डेटा सीधे आरजीआई डेटाबेस से प्राप्त किया जाएगा। सत्यापन के बाद इसे अद्यतन किया जाएगा। मतदाता सूचना पर्चियों को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाया जाएगा। मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी। सीईओ/डीईओ/ईआरओ स्तर पर अखिल भारतीय सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गईं। 04 हजार 719 बैठकें आयोजित की गईं। इसमें (सीईओ-40/डीईओएस-800/ईआरओएस-3879) और 28,000 से अधिक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों आप/भाजपा/बसपा/माकपा/एनपीपी के प्रमुखों के साथ चुनाव आयोग ने बैठकें की

आईआईआईडीईएम (बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी) में राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम किया गया। सभी हितधारकों को एक ही स्थान पर सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए नए एकीकृत डैशबोर्ड- ECINET की शुरूआत की गई। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर के मुद्दे का समाधान किया गया। अद्वितीय ईपीआईसी नंबर के लिए नई व्यवस्था लागू की गई। मतदाता सूची

तैयार करने और चुनाव कराने की पूरी प्रक्रिया में 28 हितधारकों की पहचान की गई, जिनमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, मतदाता पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के आधार पर मतदाता, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल, उम्मीदवार और अन्य शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक हितधारक के लिए आयोग के अधिनियमों, नियमों और निर्देशों के आधार पर प्रशिक्षण प्रस्तुतियाँ तैयार की जा रही हैं। बीएलओ से मानक फोटो पहचान पत्र प्राप्त किया जाएगा। आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 3000 से अधिक बूथ स्तरीय पर्यवेक्षकों को पहले ही प्प्क्म्ड में प्रशिक्षित किया जा चुका है। अगले कुछ वर्षों में 1 लाख से अधिक बीएलओ पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। आईआईआईडीईएम में सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ कार्यालयों के एसएमएनओएस और एमएनओ के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। आईआईआईडीईएम में बिहार के पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बायोमेट्रिक उपस्थिति का कार्यान्वयन किया गया। ई-ऑफिस का संचालन और क्रियान्वयन के साथ ही सीईओ के साथ नियमित बैठकें की जा रही है।

बीजेपी नेत्री का बेटा होने से रजत को नहीं पकड सकी पुलिस

दैनिक रणजीत टाइम्स

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी कई मायने में यह बात सही है कि बीजेपी नेत्री का बेटा होने से दुष्कर्म के आरोपी रजत शर्मा को सिटी कोतवाली पुलिस नही पकड सकी...? उधर शहर में पिछले कई दिनो से नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के पुत्र रजत शर्मा जो की दुष्कर्म का आरोपी है और उसकी जमानत को लेकर पहले शिवपुरी न्यायालय ने जमानत की अर्जी खरीज हो गई थी जिसकी चर्चाऐ जोरो पर थी ऐसे में बताया जा रहा है कि आरोपी रजत की आने वाले दिनो में शादी है और वह घर से फरार है मोबाईल भी बंद है और जमानत के लिए मारा मारा फिर रहा है अब बताया जा रहा है कि ग्वालियर

हाई कोर्ट से आरोपी रजत को राहत मिल गई है ऐसे में पीड़ित लडकी का अगला कदम क्या होगा यह आने वाले दिनो में देखने को मिलेगा।

चिलम के धुएँ से महकता विभाग भ्रष्टाचार है भाई भ्रष्टाचार है...?

दैनिक रणजीत टाइम्स

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी भ्रष्टाचार है भाई भ्रष्टाचार है...? हम बात कर रहे है भ्रष्टाचार में डूबे आरईएस विभाग की। जिसमें इंजीनियरो ने सरकारी कामो में भ्रष्टाचार को बडावा देकर लाखो के बारे न्यारे कर दिए है क्योंकि इस विभाग में कई इंजीनियर ऐसे है जिन्हे इस जिले में और इस कार्यालय में 10 वर्ष से भी अधिक समय का कार्यकाल पूरा हो गया है इस विभाग में कई ऐसे इंजीनियर भी है जिन पर विभाग के कामो में 5 से 20 प्रतिशल तक का कमीशन लेने के आरोप है। सरकारी विभागो में भ्रष्टाचार करने में सबसे आगे आरईएस विभाग है इस विभाग में पिछले 10 वर्ष से अधिक समय से इंजीनियर पदस्थ बने हुए है ऐसे में इस विभाग में निर्माण कार्यो एंव अन्य सरकारी योजनाओ में लाखो और कारोडो रुपये का भ्रष्टाचार किया जा रहा है जिस पर न तो जिला कलेक्टर का ध्यान है और न ही जिले के जनप्रतिनिधियो का। नतीजा विभाग में अधिकारी और कार्मचारियो की मौज बनी है

साथ ही वर्षो से पदस्थ इंजीनियरो की सरकारी वैतन के अलावा अलग से मौटी कमाई हो रही है अब देखना होगा कि इस विभाग में पदस्थ चल रहे इंजीनियरो की पदस्थापना एक जिले से दूसरे जिले में कब होती है।

आतंकवाद के खिलाफ यूएई भारत के साथ खड़ा

चाहे पक्ष हो या विपक्ष क्यों हैं सरकार के साथ

दैनिक रणजीत टाइम्स

संपादकीय विशेष

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गुरुवार को आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के प्रति अपना अटूट समर्थन दोहराया। एक प्रमुख खाड़ी सांसद ने आतंकवाद को वैश्विक खतरा और पूरी मानवता के लिए एक अभिशाप बताया। संघीय राष्ट्रीय परिषद की रक्षा, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष अली राशिद अल-नुआइमी ने भारतीय सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक के बाद यह बात कही। यह बैठक आतंकवाद के खिलाफ भारत की वैश्विक मुहिम के तहत हुई। अल-नुआइमी ने कहा, आतंकवाद केवल एक देश या क्षेत्र के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक खतरा है। हमें लगता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होकर योजनाएं और रणनीतियां बनानी चाहिए और मानवता के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में काम करना चाहिए

33 देशों की राजधानी भेजे गए प्रतिनिधिमंडल

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से 33 देशों की राजधानियों को सात प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं। यह उनमें से एक है। इनका मकसद पाकिस्तानी की नीयत और आतंकवाद पर भारत की प्रतिक्रिया को दुनिया के सामने रखना है।

आतंकवाद मानवाता का दुश्मनः अल-नुआइमी

अल नुआइमी ने जोर देते हुए कहा, आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। समझदार लोगों को इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया, हम पहले से ही आतंकवाद से लड़ाई में भारत के साथ सहयोग कर रहे हैं। भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हमारे लिए समझौते का विषय नहीं है। भारत हमारा रणनीतिक साझेदार है, न केवल सरकार के स्तर पर बल्कि जनता के स्तर पर भी।

प्रतिनिधि मंडल में अन्य सदस्य कौन हैं

प्रतिनिधिमंडलमेंअन्यसदस्यमननकुमारमिश्रा(भाजपा),सस्मितपात्रा (बीजेडी), ई.टी. मोहम्मद बशीर (आईयूएमएल), एस.एस. अहलूवालिया (भाजपा), अतुल गर्ग (भाजपा), बांसुरी स्वराज (भाजपा), पूर्व राजनयिक सुजान आर. चिनॉय, भारत के यूएई में राजदूत संजय सुधीर शामिल हैं।

कलेक्टर की सख्ती, अमानक गेहूं का परिवहन एवं वितरण करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर कार्यवाही

दैनिक रणजीत टाइम्स

संवाददाता जगदीश पाल

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब परिवारों को राशन का वितरण किया जाता है। प्रतिमाह उचित मूल्य दुकानों से जिले के लाखों उपभोक्ता राशन प्राप्त करते हैं, लेकिन जब पिछोर खनियाधाना में हितग्राहियों को घुना और सीमेंट मिला गेहूं पीडीएस दुकान पर वितरण की शिकायत मिली, तब कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने तत्काल डिप्टी कलेक्टर एवं जिला आपूर्ति अधिकारी अधिकारी ममता शाक्य और एसडीएम पिछोर को जांच के निर्देश दिए। निर्देशानुसार टीम के साथ एसडीएम पिछोर शिवदयाल धाकड़ और डिप्टी कलेक्टर ममता शाक्य ने टीम के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने खनियाधाना में वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अमानक गेहूं को वितरण से पूर्व ही रोका गया है और 715 क्विंटल गेहूं को अपग्रेड किया जाएगा। परंतु इस प्रकार की लापरवाही पर कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने सख्ती दिखाई है और अमानत गेहूं का परिवहन और वितरण करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्यवाही की गई है।

डिप्टी कलेक्टर एवं जिला आपूर्ति अधिकारी ममता शाक्य ने बताया कि उचित मूल्य दुकानों से हितग्राहियों को अमानक गेहूं का वितरण न हो इसलिए जांच कर पूर्व में ही संज्ञान में आने से अमानक गेहूं को वितरण करने से रोका गया है और दोषी अधिकारी और कर्मचारियों पर कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश सिविल सप्लाईज कॉरपोरेशन पिछोर प्रदाय केंद्र के केंद्र प्रभारी दुष्यंत मांझा को निलंबित किया गया है। मध्य प्रदेश वेयरहाउस कॉरपोरेशन पिछोर के शाखा प्रबंधक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश वेयरहाउस भोपाल को प्रस्ताव भेजा गया है। साथ ही पीडीएस प्रदाय केन्द्र सरिता वेयरहाऊस जंगीपुर पिछोर के संचालक और कंपनी मैनेजर के विरुद्ध अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने पर वैधानिक कार्यवाही करने के लिए प्रबंधक को पत्र प्रेषित किया गया है। इसके अलावा सेक्टर 18 के अन्दूत परिवहनकर्ता के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कार्यवाही

श्रमोदय आदर्श आईटीआई भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए 31 मई तक कराना होगा पंजीयन

दीपक तोमर

दैनिक रणजीत टाइम्स

खरगोन।श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई भोपाल में संचालित 08 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। प्रवेश प्रक्रिया कौशल विकास विभाग के डी.एस.डी पोर्टल पर होगी। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पंजीकृत श्रमिक एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्य श्रमोदय आदर्श आईटीआई में एक वर्षीय एवं दो वर्षीय व्यवसाय में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए www.dsd.mp.gov.in पर पंजीयन 31 मई, 2025 तक कर सकते है। इस संस्था में संचालित ट्रेड तकनीशियन मैकट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीनियरिंग अस्सिटेंट दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसी प्रकार फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलोजी, इंटीरियर डिजाइन एंड डेकोरेशन, आईंओटी स्मार्ट सिटी, वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। इन व्यवसायों में वेल्डर के लिए प्रवेश योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी सातों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

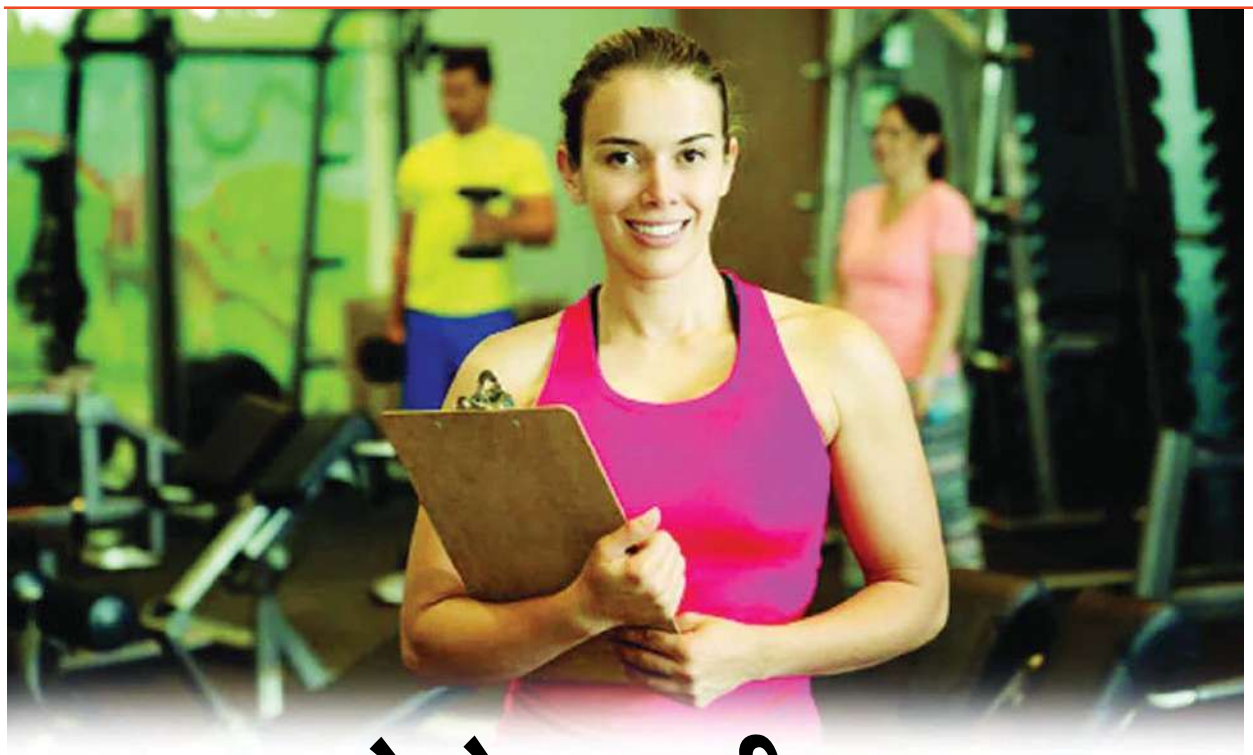

स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी जागरूकता के कारण जिम व्यवसाय में बहुत है स्कोप

स्वास्थ्य को लेकर लोगों के बीच में बढ़ी जागरूकता के कारण इस व्यवसाय में आपके लिए बहुत स्कोप है। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आपको क्या करना होगा।

आज की नई पीढ़ी अपने स्वास्थ्य को लेकर बेहद जागरुक है और यही वजह है कि उनका रुझान जिम की ओर बढ़ता जा रहा है। अपने फिटनेस के लिए लोग हर महीने हजारों रुपये खर्च कर देते हैं, ऐसे में आए दिन जिम की मांग बढ़ती जा रही है। जिम के बिजनेस में सबसे अच्छी बात यह है कि एक बार निवेश करने के बाद कई सालों तक इससे अच्छी कमाई हो सकती है। लोग इन दिनों छोटी-छोटी जगहों पर जिम खोलकर पैसे कमा रहे हैं और अगर आपको भी फिटनेस का क्रेज है और आप भी जिम खोलना चाहती हैं, तो चलिए हम आपको बताते हैं जिम का बिजनेस कैसे शुरु कर सकती हैं और इसके लिए आपको क्या करना होगा। आपको बता दें कि जिम दो तरह के होते हैं पहला जिसमें वेट लिफ्टिंग और कार्डियो उपकरणों आदि की सुविधा होती है। इसमें बॉडी बनाने, वजन कम करने इत्यादी की ट्रेनिंग दी जाती है। दूसरा है फिटनेस सेंटर, इसमें योगा, एरोबिक्स, वजन घटाना, वजन बढ़ाना, मार्शल आर्ट, आसन इत्यादि सिखाएं जाते हैं, फिटनेस सेंटर का बिजनेस जिम की तुलना में थोड़ा महंगा होता है।

प्रशिक्षित होना जरूरी

अगर आप जिम खोलना चाहती हैं तो आपका प्रशिक्षित होना बहुत जरूरी है। वैसे अगर आप स्वयं प्रशिक्षित नहीं हैं तो आप अपने जिम में ट्रेनर या कोच रख सकती हैं लेकिन ट्रेनर या कोच के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति को ही प्राथमिकता दें।

जिम का रजिस्ट्रेशन कैसे करवाएं

आपको बता दें कि जिम का रजिस्ट्रेशन स्माल स्केल इंडस्ट्री के तहत होता है, इसके लिए जिले के उद्योग विभाग से फॉर्म लेना होगा। इस फॉर्म को भरकर जमा करने पर आपको जिम खोलने का लाइसेंस मिल जाता है। शुरुआत में आपको उद्योग विभाग अस्थायी लाइसेंस देगा, बाद में आप स्थायी लाइसेंस के लिए भी आवेदन कर सकती हैं। आजकल रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की भी व्यवस्था है।

जगह का चयन

फिटनेस सेंटर या जिम खोलने के लिए जगह का चयन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। ऐसा जरूरी नहीं कि आप इसे किसी प्राइम लोकेशन पर ही खोलें, आप चाहे तो इसे किसी छोटी सी जगह पर भी खोल सकती हैं, लेकिन यह ध्यान रखें कि जहां भी आप जिमखोल रही हैं वहां आने वालों के लिए पार्किंग की सुविधा जरुर हो। जिम खोलने के लिए आपको 2000 से 2500 स्क्वायर फीट तक का प्लॉट लेना होगा लेकिन आपका बजट अगर कम हो तो आप इसे कम जगह में भी खोल सकती हैं। वहीं, आप जिम किसी भी फ्लोर पर शुरु कर सकती हैं।

मशीनों की जरूरत

एक सामान्य जिम खोलने के लिए आपको कम से कम पद्रंह तरह की मशीनों की जरुरत पड़ेगी। जिन मशीनों की जरुरत होती है, उनमें बेंच प्रेस, ट्रेड मिल, लेग प्रेस, बटर फ्लाई, लैट पुल डाउन, पैक डेक, डिप बार, केबल क्रॉस ओवर, प्रीचर बेंच, सिटअप बेंच, दो नॉर्मल बेंच, स्किपिंग रोप, योगा मैट, रॉड, डंबल, स्टैंड इत्यादि। इन मशीनों में सबसे महंगा ट्रेड मिल है इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपये है। इसके अलावा आपको लाइट, म्यूजिक सिस्टम, एसी और इंटीरियर डेकोरेशन के कुछ सामान खरीदने होंगे।

जिम का प्रचार कैसे करें

जिम की आमदनी वहां आने वाले ग्राहकों पर ही निर्भर करती है और इसके लिए आपको जिम का प्रचार-प्रसार करना होगा और जिम की जानकारी देनी होगी। इसके लिए आप उस इलाके के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग लगवा सकती हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी प्रचार करवा सकती हैं। लोकल न्यूज चैनल और अखबारों के माध्यम से प्रचार कर सकती हैं।

जिम में महीने का खर्च

जिम खोलनेपर आपको महीने में कम से कम 70,000 रूपये खर्च करने होंगे। इसमें मकान का किराया, बिजली बिल, मशीनों पर खर्च, ट्रेनर और अन्य कर्मचारियों का वेतन इत्यादि शामिल होंगे। अगर आप खुद ट्रेनर हैं तो अपने कुछ पैसे बचा सकती हैं।

आमदनी और फीस की जानकारी

आमतौर पर जिम की फीस दस हजार रुपये मासिक होती है। इस हिसाब से अगर आपके जिम में कम से कम दो सौ लोग भी नियमित रूप से आते हैं तो आपको फीस से दो लाख रुपये की आमदनी होगी। वहीं, अगर छोटे-मोटे खर्चों को निकाल दे तो आपको हर महीने कम से कम एक लाख रुपये की आमदनी होगी। खरीदी गई मशीनों का कॉस्ट निकल जाने के बाद आपकी कमाई बढ़ जाएगी।

इन बातों का रखें ध्यान

जिम के लिए आने वाले व्यक्ति से मान्यता प्राप्त डॉक्टर या अस्पताल का हेल्थ सर्टिफिकेट जरूर मांगे। अगर किसी भी कस्टमर को कोई स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होगी तो वह आप पर क्लेम नहीं कर पाएगा। आप अगर जिम के साथ-साथ सप्लीमेंट का भी बिजनेस कर रही हैं तो क्वालिटी प्रोडक्ट ही बेचें, नहीं तो आपकी विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।

करियर स्विच करने से पहले जरूर सोचें

क्या आपको अपने काम से संतुष्टि नहीं मिलती? क्या आप हर दिन ऑफिस जबरदस्ती जाती है? ऑफिस जाने के बाद आपकी नजर सिर्फ घड़ी पर होती है? अब आपको अपने काम में बोरियत महसूस होती है और आप अपने करियर को स्विच करने के बारे में सोच रही है? अगर इन सभी सवालों के जवाब हां हैं तो इसका अर्थ है कि आपको शांति से बैठकर खुद से कुछ सवाल करने की जरूरत है।

दरअसल, हर दिन एक ही काम करते-करते बोरियत होने लगती है और फिर आपका मन उस काम में नहीं लगता। ऐसे में आप कुछ नया करने के बारे में सोचती हैं, लेकिन करियर स्विच करने का फैसला इतना भी छोटा नहीं है। करियर स्विच करने से पहले आपको कुछ बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, अन्यथा आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। तो चलिए आज हम आपको उन बातों के बारे में बता रहे हैं, जिनके बारे में आपको करियर स्विच करने से पहले जरूर सोचना चाहिए-

बरतें ईमानदारी

करियर स्विच करना जीवन का एक बहुत बड़ा फैसला है और इसलिए इस फैसले को लेने से पहले आपको खुद के साथ ईमानदारी बरतना बेहद जरूरी है। सबसे पहले तो आप खुद से यह सवाल पूछें कि क्या सच में आप अपना करियर स्विच करना चाहती हैं और क्या आप जो रही हैं, उसमें आपका पैशन नहीं है। दरअसल, जिस काम को करना आप पसंद नहीं करती, उससे बेहद जल्द बोर हो जाती हैं। अगर ऐसा नहीं है और हर दिन एक ही काम करने के कारण आपके भीतर यह उबाउपन है तो करियर स्विच करने की बजाय कुछ नई जिम्मेदारियां उठाने की कोशिश करें।

शुरूआत से शुरू

जब आप किसी नई फील्ड में खुद को स्थापित करने की कोशिश करती हैं तो इसमें एक लम्बा वक्त लगता है। ऐसा नहीं है कि अगर आज आप करियर स्विच करने की सोच रही हैं तो अगले दिन ही आपको एक अच्छी जॉब मिल जाएगी या आप सफलता की उस बुलंदी पर पहुंच जाएंगी, जिसकी आपको इच्छा है। तो खुद से यह जरूर पूछें कि क्या आप दोबारा उतनी कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं?

फाइनेंशियल प्रभाव

जब आप अपना करियर स्विच करती हैं तो इसका आपके जीवन पर फाइनेंशियली भी काफी असर पड़ता है। हो सकता है कि इस जॉब में आप एक अच्छी पोस्ट पर हाई सैलरी में हों। लेकिन जब आप करियर स्विच करेंगी तो आपको बेसिक सैलरी से ही काम की शुरूआत करनी होगी। क्या आप सैलरी में इस गिरावट को मैनेज कर सकती हैं और इससे आपके मासिक खर्चों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमूमन देखने में आता है कि कुछ लोग अपने काम से परेशान होकर जॉब तो स्विच कर देते हैं, लेकिन जब उन्हें सैलरी मनमुताबिक नहीं मिलती तो उन्हें पहले की जॉब व काम ही अच्छा लगता है और करियर चेंज का फैसला उन्हें गलत नजर आता है।

पारिवारिक प्रभाव

आपका करियर चेंज का फैसला सिर्फ आपको ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इससे आपका पूरा परिवार जुड़ा होता है। दरअसल, हर जॉब की अपनी मांग व जरूरतें होती हैं। कुछ काम को करते समय आपको काफी घूमना पड़ता है तो किसी काम में आपको लेट नाइट काम करना पड़ सकता है। ऐसे में आपकी फैमिली पर उसका असर पड़ सकता है। इसलिए किसी भी फील्ड में जाने से पहले यह भी अवश्य देखें कि इससे आपके परिवार व पारिवारिक जिम्मेदारियों पर कितना असर पड़ रहा है और क्या आप और आपका परिवार इस बदलाव के लिए तैयार है।

लें प्रोफेशनल हेल्प

अगर आप खुद को असमंजस की स्थिति में पाती हैं और किसी भी निर्णय को लेने में असमर्थ हैं तो बेहतर होगा कि आप किसी करियर काउंसलर की मदद लें। आप उन्हें अपनी वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं और साथ ही यह भी बताएं कि आप अपना करियर चेंज क्यों करना चाहती हैं। इसके अतिरिक्त आप किस फील्ड में जाने का मन बना रही हैं। इस तरह आपकी पूरी स्थिति को जानने के बाद एक करियर काउंसलर आपको सबसे बेस्ट सलाह देगा। साथ ही आपकी रूचि के अनुसार कुछ ऐसे ऑप्शन भी बताएगा जो आपके लिए काफी अच्छे रहेंगे। इसलिए करियर चेंज करने से पहले एक बार करियर काउंसलर से मिल लेना काफी अच्छा रहेगा।

सहजयोग ध्यान व्यक्तित्व में पंचतत्वों की सूक्ष्म शक्ति को अभिव्यक्त करता है

दैनिक रणजीत टाइम्स

सहजयोग में श्री माताजी की अनुकम्पा से कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के पश्चात जिन पंचतत्त्वों से हम बने हैं, चैतन्य लहरियाँ उन तत्त्वों के सूक्ष्म तत्त्व से हमें जोड़ने लगती हैं। यह बड़ी सूक्ष्म बात है, इसकी सूक्ष्मता हमें समझनी चाहिए। श्री माताजी के अनुसार, प्रकाश अभिव्यक्त होने वाला प्रथम तत्त्व है और उसका सूक्ष्म तत्त्व है तेज, आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के पश्चात व्यक्ति (गहन सहजयोगी) का मुखमण्डल तेजोमय हो उठता है। स्थूल वायु का सूक्ष्म तत्त्व आपको प्राप्त होने वाली शीतल चैतन्य लहरियाँ है। आत्म साक्षात्कार के बाद आप केवल लहरियाँ ही नहीं प्राप्त करते, शीतलता का भी अनुभव करते हैं। जल तत्त्व सूक्ष्म रूप में जब अभिव्यक्ति होता है तो वह सहजयोगी की कठोर त्वचा को कोमल करता है, उनके अंदर का जल ही उनके चेहरे की त्वचा को चमक और पोषण प्रदान करता है। इसी के साथ आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति अत्यन्त मृदु और विनम्र हो जाते हैं। आप में अग्नि भी है परन्तु यह अत्यन्त शान्त अग्नि है। यह किसी अन्य को नहीं जलाती, आपके अंदर बुराइयों को और आपके माध्यम से अन्य लोगों की बुराइयों को आपकी यह अग्नि जला देती है। यदि आप पूर्णतः विकसित सहजयोगी हैं तो अग्नि आपको कभी नहीं जलाएगी क्योंकि अग्नि तत्त्व का सार आपको प्राप्त हो जाता है। पृथ्वी माँ है। पृथ्वी की बहुत सी सूक्ष्मताएं हममें आ जाती हैं। इनमें से एक गुरुत्वाकर्षण है । गुरुत्वाकर्षण की अभिव्यक्ति से व्यक्ति अत्यन्त आकर्षक हो जाता है। पृथ्वी माँ की तरह हम भी अत्यन्त सहनशील और धैर्यवान बनने लगते हैं। आपके अन्दर आकाश तत्त्व भी कार्य करने लगता है, यह आपके चित्त के माध्यम से कार्य करता है चित्त डालने के लिए आपको मुझसे नहीं कहना पड़ता, आप स्वयं चित्त डालिए, और कार्य हो जाएगा। [२५-१२-१९९८] सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800 बेवसाइट - sahajayoga.org.in

आ रहा है लीला होटल का आईपीओ

मुंबई, एजेंसी। भारत में लग्जरी होटलों के मशहूर ब्रांड द लीला को तो जानते ही होंगे। इस होटल को चलाने वाली कंपनी है श्लॉस बैंगलोर । यह कंपनी अपना आईपीओ लेकर आ रही है। लीला होटल का आईपीओ आगामी सोमवार यानी 26 मई, 2025 को खुलेगा। हम बता रहे हैं इस आईपीओ के बारे में सबकुछ।

क्या है आईपीओ का आकार

यह आईपीओ 3,500 करोड़ रुपये का होगा। इसमें 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही, 1,000 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचे जाएंगे। ओएफएस का मतलब है, जब कंपनी के मालिक या कुछ निवेशक अपने शेयर बेचते हैं।

कब तक खुला रहेगा- यह आईपीओ तीन दिन तक खुला रहेगा। यानी 26 मई को खुल कर 28 मई को बंद हो जाएगा। उम्मीद है कि 2 जून को बीएसइ (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और एनएसइ (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) दोनों पर शेयरों की लिस्टिंग हो जाएगी।

क्या है प्राइस बैंड

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 413 रुपये से 435 रुपये तय किया गया है। इसमें आवेदन करने वाले निवेशकों को कम से कम 34 शेयर के लिए बोली लगानी होगी। मतलब कि रिटेल इनवेस्टर्स को कम से कम 14,042 रुपये का निवेश करना होगा।

क्या है जीएमपी- ग्रे मार्केट में इस समय लीला होटल के एक शेयर पर 18 रुपये का प्रीमियम कोट किया जा रहा है। मतलब कि यदि प्राइस बैंड का अपर पोर्शन, 435 रुपये को इश्यू प्राइस माना जाए तो 4.14 फीसदी का प्रीमियम।

लीड मैनेजर्स कौन हैं

इस आईपीओ को मैनेज करने की जिम्मेदारी छह्रू फाइनेंशियल, कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, मॉर्गन स्टेनली और एसबीआई कैपिटल जैसी कंपनियों को दी गई है। केएफआई टेक्नोलॉजीज इस इश्यू के लिए रजिस्ट्रार का काम कर रही है।